Date 7-02-2022

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या		
1	B	कृषि घनत्व – प्रति इकाई क्षेत्रफल पर की गई कृषि को कृषि घनत्व कहते हैं।
1	D	माजुली द्वीप – ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित द्वीप – विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप
1	E	राज्य खनिज विकास निगम – स्थापना 1962 उद्देश्य – खनिज उत्पादन में म.प्र. को आत्म निर्भर बनाना।
1	F	रॉक फास्फेट – झाबुआ व आस-पास के क्षेत्रों प्रयोग – मृदा की मे क्षारीयता दूर करने में
1	I	आर्सेनिक – विषैला पदार्थ, अत्याधिक गहराई के भू-जल में उपलब्ध, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सर्वाधिक प्रभावित – राजस्थान
1	J	NDRF – नेशनल डिजास्टर रिलीफ फोर्स स्थापना – NDMA 2005 के अंतर्गत कार्य – आपदा के समय त्वरित राहत कार्य

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का पर्याय द्वारा...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या	
1 K	आपदा न्यूनीकरण हेतु अंतर्राष्ट्रीय दशक :- 1990-2000 → यूनाइटेड नेशन्स द्वारा प्रस्तावित → उद्देश्य – न्यूनीकरण रणनीति अपनाना
1 L	सूक्ष्म सिंचाई – सिंचाई की आधुनिक तकनीकें शामिल उदाहरण – ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिंचाई उद्देश्य – जल प्रबंधन व संरक्षण
1 N	लिडार – प्रकाश ऊर्जा आधारित संवेदी रडार कार्य – टिकट आदि भाल्लेमेन्ट को पहचानना
1 O	HEO – हाई अर्थ ऑर्बिट, ऊँचाई – 36000 Km.

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3 A

अल नीनो और भारतीय मानसून —

अल नीनो – पूर्वी प्रशांत महासागर में पेरू तट पर घटित होने वाली मौसमी प्राकृतिक घटना।

कार्य प्रणाली – पेरू की ठण्डी जलधारा का स्थान भू-मध्य सागरीय गर्म जलधारा ले लेती है।

भारतीय मानसून पर प्रभाव —

→ अल नीनो के कारण हिंद महासागर का तापमान अपेक्षाकृत कम

→ फलतः द. प. मानसून अपेक्षाकृत कमजोर हो जाता है।

→ मानसून का आगमन निर्धारित समय के बजाय देरी से।

→ वर्षा का असमान वितरण

→ परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा।

→ अन्य प्रभाव – कृषि उत्पादन में कमी
– वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों में सूखा
– पेय जल संकट
– मानसून विभंग आदि

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

→ मानसून का निवर्तन समय पूर्व

विश्व पर प्रभाव —

आस्ट्रेलिया व चाइना जैसे देशों में अत्यधिक वर्षा व बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का घटित होना।

पेरू तट पर प्लैंकटन की कमी के कारण समुद्री जीवों का मृत होना।

अल नीनो जैसी प्राकृतिक आपदा प्रत्येक 5-6 वर्षों के पश्चात पुनरावृत्त होती है।

अल नीनो की विपरीत ~~स्थिति~~ परिस्थिति को ला-नीना कहते हैं। भारतीय मानसून हेतु अनुकूल परिस्थितियों को उत्पन्न करता है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

3 B

मालवा पठार का आर्थिक महत्व —

म.प्र. के पश्चिम में स्थित

मालवा पठार को गेहूँ इण्डिया का पठार भी कहते हैं।

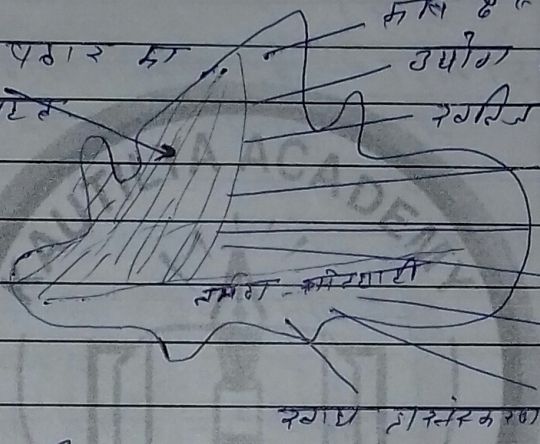

प्रमुख बिंदु —

1) उद्योग क्षेत्र में — म.प्र. के प्रमुख उद्योगों का विकास मालवा क्षेत्र में हुआ है।

प्रमुख उद्योग — सूती कपड़ा उद्योग (इंदौर, उज्जैन)
— महीन कागज उद्योग (इंदौर)
— सोयाबीन तेल संयंत्र उज्जैन

2) कृषि क्षेत्र में —
काली मृदा पायी जाती है
फलत: कृषि उत्पादकता अच्छी।

प्रमुख फसलें — गेहूँ, सोयाबीन, कपास आदि

3) खनिज क्षेत्र में — मालवा क्षेत्र में खनिज का विकास अपेक्षाकृत कम।

प्रमुख खनिज – रॉक फास्फेट, एस्बेस्टस डोलोमाइट आदि।

4) वन सम्पदा – उष्ण कटिबंधीय पतझड़ वनों का विकास जैसे – सागौन, पलाश, खैर आदि।

5) मृदा – ज्वालामुखी उद्गार से निर्मित बसाल्ट चट्टानें फलतः काली मृदा का विकास। कपास की कृषि हेतु सर्वोत्तम

6) प्रमुख नदियाँ –
→ चम्बल नदी – गाँधी सागर बाँध मंदसौर
→ क्षिप्रा – इंदौर से उद्गम, उज्जैन क्षिप्रा के तट पर
→ माही – कर्क रेखा को दो बार काटती है।

7) रोजगार – पीथमपुर, मण्डीदीप जैसे औद्योगिक क्षेत्र।

8) शिक्षण संस्थाएँ – IIT इंदौर, IIM इंदौर, DAV विश्वविद्यालय, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (भोपाल)

9) खाद्य प्रसंस्करण – प्रमुख प्रसंस्करण केंद्र इंदौर, उज्जैन (मेगा फूड पार्क), धार आदि

उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर कहा जा सकता है कि मालवा पठार का म.प्र. के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3 C

क्या भारत में आपदा प्रबंधन एक सफलता –

आपदा एक आकस्मिक आने वाली प्राकृतिक घटना है।

आपदा प्रबंधन – विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आपदा का न्यूनीकरण

जैसे – पूर्वानुमान, चेतावनी, तैयारी, बचाव व राहतकार्य प्रशिक्षण, मानचित्रण आदि।

भारत में आपदा प्रबंधन –

संयुक्त राष्ट्र आपदा प्रबंधन रिपोर्ट के अनुसार भारत आपदा सुभेद्य राष्ट्र है। अतः यहाँ निम्नलिखित आपदा प्रबंधन संस्थाएँ स्थापित की गयी हैं –

1) राष्ट्रीय आपदा राहत बल (NDRF) –

→ NDMA 2005 के तहत

→ उद्देश्य – आपदा के दौरान राहत एवं बचाव कार्य

→ कार्य – आपदा के समय एवं पश्चात् राहत व बचाव कार्य।

2) राष्ट्रीय आपदा राहत कोष –

→ NDMA एक्ट 2005 के तहत गठित

→ उद्देश्य – आपदा से प्रभावित लोगों का पुनर्विकास व पुनर्स्थापना।

3) P.M. केयर फण्ड – 2020 में गठित

उद्देश्य – आकस्मिक आपदा से निपटने हेतु जन सहयोग से वित्त जुटाना।

भारत का न. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

4) राज्य आपदा मोचन बल – राज्य सरकारों के नियंत्रण में

उद्देश्य – आपदा के समय त्वरित कार्यवाही

कार्य – आपदा दौरान व पश्चात् राहत एवं बचाव कार्य।

5) राज्य आपदा राहत कोष – राज्यपाल के नियंत्रण में।

उद्देश्य – आपदा के निपटने हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।

6) जिला आपदा समिति – प्रत्येक जिले में

अध्यक्ष – जिलाधीश

उद्देश्य – जिला स्तरीय आपदा से निपटना व राज्य सरकार को वस्तु स्थिति से सूचित करना

7) अन्य संस्थायें –

→ UN की प्रमुख आपदा प्रबंधन संस्थाओं के साथ मिलकर केन्द्र व राज्य सरकारें काम कर रही है जैसे – UNDA, यूनेस्को आदि

→ विभिन्न NGO के साथ सहयोग लेकर कार्य किया जा रहा है जैसे – ग्रीन पीस, रामकृष्ण मिशन आदि

उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर कहा जा सकता है भारत ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बहुत कार्य किया हैं किन्तु अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

3 D

भौगोलिक सूचना प्रणाली —

भौगोलिक सूचना प्रणाली कंप्यूटर आधारित तकनीक है जिसमें सूचनाओं का संरक्षण, एकत्रीकरण, विश्लेषण आदि प्रक्रियाएं शामिल हैं।

⇨ प्रमुख घटक —

1) सूचनाओं का एकत्रीकरण —

सूचनाओं का एकत्रीकरण GIS का प्रथम चरण है इस हेतु सर्वे, ~~उपग्रह~~ उपग्रहों से प्राप्त डाटा का उपयोग किया जाता है।

2) सूचनाओं का संशोधन —

अवांछित सूचनाओं को हटा कर आवश्यक सूचनाओं का संग्रहण

3) सूचनाओं का विश्लेषण —

आवश्यक सूचनाओं का उपयोग कर समस्या समझना।

4) समस्या समाधान —

सूचनाओं के विश्लेषण के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

GIS प्रणाली का उपयोग –

1) नगर नियोजन – बढ़ते नगरीकरण के दौर में नगर नियोजन में प्रयोग।

2) आपदा प्रबंधन में – बाढ़, भगदड़, महामारी के प्रबंधन में जैसे – कोविड 19 संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण।

3) यातायात प्रबंधन में – बढ़ते यातायात के प्रबंधन में ट्रैफिक लाइटों के समयांतराल में।

4) भू-जल प्रबंधन में – बढ़ते भू-जल के दोहन को नियंत्रित करने में।

5) फसल नुकसान के आकलन में

6) खनिजों व भू जल के अनुमान में।

वर्तमान समय में भौगोलिक सूचना प्रणाली के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बढ़ते नगरीकरण व जलवायु संकट के दौर में इसकी प्रासंगिकता और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारत का न. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 A

भारतीय प्रवासी —

भारत प्रत्येक वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी दिवस मनाता है।

योगदान —

1) सांस्कृतिक — पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति का प्रसार।

2) भाषायी — आज भी कई देशों में हिन्दी को दूसरी या तीसरी प्राथमिकता।

3) आर्थिक — प्रति वर्ष करोड़ों का रेमिटेंस प्राप्त।

4) पर्यटन — धार्मिक पर्यटन के कारण प्रवासी भारत

5) शिक्षा व तकनीकी विकास — देश व विदेशी संस्थाओं

2 B

भारत में स्वर्ण अयस्क —

भारत में स्वर्ण अयस्क की कमी है।

प्रमुख स्वर्ण अयस्क खदानें —

1) कर्नाटक — वर्तमान में कर्नाटक के ~~बाबा~~ कुद्रेमुख पहाड़ियों पर

2) झारखण्ड — झारखण्ड की जादूगोड़ा खदानों में

3) आंध्रप्रदेश — आंध्रप्रदेश की कोलार खदानों में स्वर्ण अयस्क की प्राप्ति।

वर्तमान में भारत अपनी स्वर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति ~~सिर्फ~~ आयात के माध्यम से करता है। जैसे जर्मनी, US आदि।

भारत का न. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या | मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

2 C

तिब्बत का पठार —

तिब्बत का पठार भारत के उत्तर व उत्तर पूर्व में अवस्थित है।

भारतीय मानसून से संबंध —

तिब्बत का पठार द.प. मानसून को प्रभावित करता है। यह मानसूनी पवनों को रोककर भारत में मानसूनी वर्षा का प्रमुख कारक है।

यह प्रमुख जलवायु वि-भाजक है जो उत्तर की बर्फीली हवाओं से भारत की रक्षा करता है।

2 D

PVTG's —

भारत में जनजातियों को PVTG's का दर्जा गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है।

मानदंड —

1) जनसंख्या — जनसंख्या सीमित क्षेत्र में।
2) भाषा — भाषायी अल्पसंख्यक, स्वयं की भाषा।
3) भावी संकट — अस्तित्व, संस्कृति को।
4) विशेष रूप से पिछड़ी — विकास की धारा से अलग।

म.प्र. में सहरिया, बैगा, भारिया जनजाति को PVTG's का स्टेटस प्राप्त है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

2 E

कम औद्योगीकरण के कारण —

म०प्र० खनिज संसाधनों में तो सम्पन्न राज्य है किन्तु औद्योगीकरण में आज भी पिछड़ा हुआ है।

प्रमुख कारण — 1) आधुनिक तकनीकों का अभाव
2) सरकारी निवेश की कमी।
3) निजी निवेश की कमी।
4) आधारभूत संरचना का अभाव।
5) प्रशिक्षित मानव संसाधन का अभाव।
6) स्थीमत सरकारी नीतियों का अभाव।

उपरोक्त समस्याओं का समाधान कर म०प्र० को विकसित राज्य में बदला जा सकता है।

2 F

मानव निर्मित आपदा —

मानव निर्मित आपदा - मानवीय गतिविधियों द्वारा निर्मित

बचाव के उपाय — 1) क्षेत्रीय भौगोलिक संरचना का आकलन बड़े प्रोजेक्ट निर्माण से पहले जैसे- ~~बांध~~, बांधों का निर्माण आदि
2) राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के सभी मानकों का पालन।
3) आधुनिक तकनीकों का प्रयोग।
4) जलवायु प्रभाव आकलन
5) औद्योगिक व परमाणु अपशिष्टों का उचित निपटान।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

2 G

वर्तमान जल प्रबंधन ~~में~~ समस्याएँ —

जल का दक्षतापूर्ण उपयोग, एकत्रीकरण, संरक्षण आदि गतिविधियाँ जल प्रबंधन कहलाती हैं।

वर्तमान समस्याऐं :— 1) जल संरक्षण अवसंरचना की कमी जैसे- बावड़ी, कुएं, तालाब आदि।

2) जल संरक्षण संरचनाओं के रखरखाव में कमी

3) मानसूनी वर्षा का असमान वितरण

4) मानसून की अनिश्चित प्रकृति।

5) जल - जागरूकता का अभाव

6) कृषि में सिंचाई की आधुनिक तकनीकों का प्रयोग कम जैसे- टपक सिंचाई, फव्वारा सिंचाई

2 H

कृषि में सुदूर संवेदन —

तात्पर्य— विशेष भौगोलिक क्षेत्र व वस्तु के निकट जाए बिना उससे संबंधित जानकारी प्राप्त करना।

कृषि में उपयोग — 1) फसल आकलन में

2) विभिन्न जलवायु हेतु उपयुक्त फसलों के चयन हेतु।

3) फसल नुकसान आकलन हेतु

4) वर्षा के पूर्वानुमान हेतु

5) मृदा आकलन हेतु

6) रसायनों व कीटनाशकों के प्रबंधन हेतु

कृषि उत्पादकता में वृद्धि हेतु सुदूर संवेदन का महत्वपूर्ण योगदान है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या: 2 7

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भौगोलिक सूचना प्रणाली उद्देश्य —

कंप्यूटर आधारित तकनीक। सूचनाओं का संग्रहण, विश्लेषण, संशोधन कर समस्या का विश्लेषण या समाधान करना।

उद्देश्य — सूचनाओं के विश्लेषण के माध्यम से समस्या समाधान

अनुप्रयोग — यातायात प्रबंधन में;
— नगरीय नियोजन में।
— आपदा प्रबंधन में
— जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन

प्राकृतिक व मानवीय समस्याओं के निराकरण में महत्वपूर्ण योगदान।

KAUTILYA ACADEMY INDORE